एम.ए. भाग-1 (एम.ए. (199-) की परीक्षा के लिए

नोट : हिन्दी गौण के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नपत्र - 1
हिन्दी मुख्य के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नपत्र - 1, 2, 3
हिन्दी एन्टायर के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नपत्र-1, 2, 3, 4

प्रश्नपत्र-1 (आधुनिक गद्य मुख्य और गौण)

1. गोदान - प्रेमचंद
2. चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. मैला आंचल - फणीश्वर नाथ रेणु - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. अशोक के फूल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ पुस्तकें :-

1. गोदान : एक नव्य परिबोध - त्रिलोकीनाथ खन्ना - आदर्श साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
2. उपन्यासकार प्रेमचंद - सं. सुरेशचंद्र गुप्त एवं रमेश गुप्त
3. प्रेमचंद - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी - कीर्ति प्र., गोरखपुर
4. प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना - गोविन्द चातक, तक्षशिला प्र., दिल्ली
5. प्रसाद के नाटक एवं नाट्य शिल्प - शांति स्वरूप गुप्त, अशोक प्र., दिल्ली
6. शान्तिनिकेतन से शिवालिक - सं. शिवप्रसाद सिंह
7. हजारी प्रसाद द्विवेदी : सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

प्रश्नपत्र - 2 (मध्यकालीन काव्य)

1. पद्मावत - जायसी
   (संदर्भ के लिए षट्ऋतु वर्णन, नागमती वियोग वर्णन, और नागमती संदेश खंड)
2. कवितावली - तुलसीदास सं. सुधाकर पांडेय
   लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. मीराँबाई की पदावली - सं. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
   हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
4. रसखान रचनावली - सं. पं. विद्यानिवास मिश्र, सत्यदेव मिश्र
   वाणी प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :-

1. जायसी का पद्मावत : काव्य और दर्शन, गोविन्द त्रिगुणायत
2. जायसी काव्य : प्रतिभा और संरचना - हरिहरप्रसाद गुप्त
3. तुलसी - सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. मीरा का काव्य - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. रसखान : जीवन और कृतित्व - देवेन्द्रप्रताप उपाध्याय, आनन्द पुस्तक भवन, वाराणसी
6. मध्यकालीन कृष्ण काव्य - कृष्णदेव शर्मा, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली

प्रश्नपत्र - 3 (समीक्षा सिद्धान्त)

समीक्षा और समीक्षा का इतिहास :

1. संस्कृत काव्यशास्त्र का संक्षिप्त परिचय 18 वीं शताब्दी तक
   (आचार्य भरत से पंडित जगन्नाथ तक)
2. हिन्दी काव्य शास्त्र का संक्षिप्त परिचय
   (केशव, चिन्तामणि, देव, भिखारीदास, मतिराम)

(क) भारतीय समीक्षा के निम्नांकित संप्रदायों का अध्ययन :-

1. रस संप्रदाय :- रस का स्वरूप, रस की व्याख्या, भरत का रससूत्र, रससूत्र की व्याख्याएँ (लोल्लट, शंकुक, भट्ट नायक, अभिनव गुप्त आदि) साधारणीकरण
2. अलंकार संप्रदाय :- अलंकार की व्युत्पत्ति, व्याख्या और परिभाषा, स्वरूप; वर्गीकरण भेद तथा अलंकारों का महत्व, अलंकार और बिम्बविधान

3. ध्वनि संप्रदाय :- ध्वनि की स्थिति, अर्थ, व्युत्पत्ति, व्याख्या, परिभाषा, आवृत काव्य भेद, ध्वनि और रस, ध्वनि संप्रदायों की देन, ध्वनि संप्रदाय की परंपरा

4. रीति संप्रदाय : रीति शब्द की व्युत्पत्ति, व्याख्या, स्वरूप, रीति के प्रकार, रीति और भाग, रीति और गुण

5. वक्रोक्ति :- वक्रोक्ति की व्युत्पत्ति, व्याख्या, परिभाषा और स्वरूप, वक्रोक्ति के प्रकार, वक्रोक्ति की समग्रता, वक्रोक्ति और अलंकार, वक्रोक्ति परंपरा और इतिहास

6. औचित्य संप्रदाय :- औचित्य की व्युत्पत्ति, व्याख्या, परिभाषा, स्वरूप, औचित्य के प्रकार, भेद ।

(ख) पाश्चात्य समीक्षा 50 अंक

1. अरस्तू का काव्य विचार

- प्लेटो की कला विषयक आपत्तियाँ
- अरस्तू का कला विभाजन
- ट्रेजेडी की परिभाषा और उसका स्वरूप
- केथार्सिस
- अनुकरणवाद

2. लोंजाइनस
- उदात्त की अवधारणा और स्त्रोत

3. वर्डसवर्थ का काव्य विचार :
- वर्डसवर्थ की दृष्टि से काव्य का प्रयोजन
- वर्डसवर्थ की दृष्टि से कवि
- वर्डसवर्थ की दृष्टि से काव्य विषय और काव्यभाषा

4. कॉलरिज का काव्यविचार :
- कोलरिज और सावयविक ऐक्य (ओर्गेनिक हॉल)
- कोलरिज की दृष्टि से कल्पना और ललित
- कल्पना (इमेजिनेशन और फेन्सी)
- कोलरिज की दृष्टि से कविता

5. टी.एस. इलियट का साहित्य विचार
- इलियट और परंपरा का सिद्धान्त
- कला में निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त

- वस्तुगत सहसंबंधक (ऑब्जेक्टिव कोरिलेटिव)
- प्रशिष्ट की अवधारणा
- आलोचना के सीमान्त

6. मार्क्सवादी समीक्षा सिद्धान्त
- द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद
- साहित्य में प्रगति का सिद्धान्त
- मार्क्सवाद की दृष्टि से साहित्य का प्रयोजन और समीक्षा का दायित्व

<u>संदर्भ पुस्तकें</u> :

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र - डॉ० नगेन्द्र, भारती भंडार लीडर प्रेस, इलाहाबाद
2. काव्य में उदात्त तत्व - डॉ० महेन्द्र चतुर्वेदी, नेशनल पब्लि.हाउस, दिल्ली
3. उदात्त के बारे में - निर्मला जैन
4. समीक्षा लोक - प्रो. भगीरथ दीक्षित, समुदाय प्रका, बम्बई
5. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ० नगेन्द्र नेशनल पब्लि., दिल्ली
6. अभिनव का रस विवेचन - नगीनदास पारेख - हिन्दु विद्या.प्रका., काशी
7. रस सिद्धांत - डॉ० नगेन्द्र नेशनल पब्लि., दिल्ली
8. पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परंपरा - डॉ० नगेन्द्र - नेशनल पब्लि., दिल्ली
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रका., वाराणसी

<u>प्रश्नपत्र-4</u> - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य के इतिहास का विस्तृत अध्ययन (गुजरात सहित)

(एन्टायर हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए) - सन् 1990 तक

सूचना :- 1. इतिहास का प्रश्नपत्र होने के कारण किसी प्रवृत्ति या विधा का विकास एवं ऐतिहासिक महत्व से संबंधित प्रश्न अपेक्षित हैं ।

2. इतिहास से <u>संबंधित प्रश्नों के उत्तर में पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, विधा या प्रवृत्ति का अभिप्राय - प्रारंभ नामकरण, अन्य विधा या प्रवृत्ति से अन्तर, कथ्य और शिल्पगत विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ आदि मुद्दे हो सकते हैं</u> ।

3. <u>प्रश्नपत्र को 5 (पाँच) विभागों में विभाजित किया गया है</u> । प्रत्येक विभाग से एक-एक प्रश्न विकल्प सहित पूछा जाना आवश्यक है।

विभाग–1 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ

(क) प्रयोगवाद, (ख) नयी कविता, (ग) अकविता, (घ) जनवादी कविता या प्रतिबद्ध कविता, (च) नवगीत धारा, (छ) समकालीन हिन्दी कविता (ज) खंडकाव्य

नयी कविता – पृष्ठभूमि, नयी कविता का अभिप्राय, प्रयोगवाद और नयी कविता, कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताएँ, प्रमुख कवि, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ

नवगीत धारा – पृष्ठभूमि, गीत परम्परा और नवगीत, छायावादी संस्कार और नवगीत, विशेषताएँ – ग्रामोचल के प्रति रुझान, सामाजिक बदलाव के प्रति रुख, बोलचाल की भाषा, लोकधुन और लय का समावेश, प्रमुख नवगीतकार, उपलब्धियाँ और सीमाएँ

विभाग–2 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास

(क) आँचलिक उपन्यास, (ख) मनोवैज्ञानिक उपन्यास, (ग) समाजवादी उपन्यास, (घ) ऐतिहासिक उपन्यास, (च) प्रयोगधर्मी उपन्यास, (छ) लघु उपन्यास

विभाग–3 स्वातंत्र्योत्तर एकांकी, नाटक एवं आलोचना

(क) स्वातंत्र्योत्तर एकांकी – पृष्ठभूमि, नया उन्मेष, रंगचेतना कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताएँ, प्रमुख एकांकीकार, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक –

पृष्ठभूमि, आधुनिक रंगमंच और हिन्दी नाटक, प्रारंभिक प्रयास – अश्क, माथुर के नाटक, मोहन राकेश के नाटक एवं हिन्दी नाटक में रंगचेतना, साठोत्तरी प्रयोगशील नाटक, अनूदित नाटक – बंगला, मराठी, कन्नड़, गुजराती आदि, प्रमुख नाटककार एवं नाटक, देशी–विदेशी नाटककारों एवं नाटकों का हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर प्रभाव, नुक्कड़ नाटक, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ

(ग) प्रयोगशील नाटक – पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, प्रयोगशीलता का उन्मेष – कथ्य के संदर्भ में, शिल्प के संदर्भ में, मंच के स्तर पर, भाषा के स्तर पर, प्रमुख प्रयोगशील नाटककार एवं नाटक, शक्ति, सीमा एवं संभावनाएँ

§2§ गीतिनाट्य - पृष्ठभूमि, गीतिनाट्य का वैशिष्ट्य, नाटक और गीतिनाट्य, रचा. हिन्दी गीतिनाट्य : एक सर्वेक्षण, प्रमुख हिन्दी गीतिनाट्य, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ

3§3§ नुक्कड़ नाटक - उद्भव एवं विकास, सामाजिक आन्दोलन और नुक्कड़ नाटक, नुक्कड नाटक और मंच, नुक्कड़ नाटक और दर्शक, हिन्दी में नुक्कड़ नाटक आन्दोलन, विशेषताएँ, विशेषताएँ, शक्ति, सीमा एवं संभावनाएँ

§ग§ स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना -

पृष्ठभूमि - हिन्दी आलोचना का उदय - पं. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना §1§ काव्यशास्त्रीय आलोचना - वैशिष्ट्य, आलोचक, §2§ स्वच्छंदतावादी आलोचना, §3§ मार्क्सवादी आलोचना §4§ नई आलोचना, §5§ मनोविश्लेषणात्मक आलोचना, §6§ शैली वैज्ञानिक आलोचना

- हिन्दी आलोचना में विचार धारात्मक संघर्ष का स्वरूप - कविता क्या है, कवि-कर्म का स्वरूप, कविता की स्वायत्तता, विचारधारा और साहित्य, परम्परा और प्रतिबद्धता, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ

खभाग - 4 - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध एवं कहानी -

§क§ स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध

§1§ विचार प्रधान निबंध, §2§ ललित निबंध, §3§ हास्य एवं व्यंग्य प्रधान निबंध, §4§ समीक्षात्मक निबंध

§ख§ स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी : एक सर्वेक्षण, हिन्दी कहानी आन्दोलन - नयी कहानी, अकहानी, समान्तर कहानी, समकालीन कहानी तथा अन्य कहानी आन्दोलन

<u>नयी कहानी आन्दोलन</u> -

नयी कहानी : नामकरण और प्रारंभ, पूर्ववर्ती कहानी और नयी कहानी वैशिष्ट्य - आधुनिक बोध - नगर कथा और ग्राम कथा, नये कहानीकार और उनकी कहानियाँ, सीमा और उपलब्धियाँ

<u>अकहानी और समान्तर कहानी</u> -

अकहानी आन्दोलन के तर्क, अकहानी, निषेधमूलक प्रवृत्ति, अकहानी की विशेषताएँ, प्रमुख कहानीकार, समान्तर कहानी, वैशिष्ट्य, कहानीकार, सीमा और उपलब्धियाँ

समकालीन कहानी, जनवादी कहानी

सामाजिक और राजनैतिक पृष्ठभूमि, वैशिष्ट्य, समकालीन कहानीकार एवं उनकी कहानियाँ, शक्ति और संभावनाएँ

विभाग – 5 – गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

§क§ स्वातंत्र्योत्तर काव्य – प्रबंध काव्य, गीत एवं ग़ज़ल, समकालीन बोध और गुजरात की हिन्दी कविता

§ख§ स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य

§ग§ स्वातंत्र्योत्तर कहानी

§घ§ स्वा. निबंध साहित्य

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
1.ए हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन
2. द्वितीय सप्तकोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद
3. नयी कविता, डॉ. कान्तिकुमार, मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल
4. नया काव्य : नये मूल्य – ललित शुक्ल, मैकमिलन, दिल्ली
5. नयी कविता के प्रतिमान – नामवरसिंह, राजकमल, दिल्ली
6. शब्द और मनुष्य, परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल, दिल्ली
7. समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल, दिल्ली
8. नयी कविता और अस्तित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
9. हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा – डॉ. रामदरश मिश्र, राजकमल, दिल्ली
10. उपन्यास : स्थिति और गति – डॉ. चन्द्रकान्त बांदिवडेकर, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
11. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष – सं. रामदरश मिश्र, गिरनार प्रकाशन
12. आँचलिकता और हिन्दी उपन्यास – डॉ. नगीना जैन, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
13. हिन्दी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख, लिपि प्रकाशन, दिल्ली
14. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र-सृष्टि – जयदेव तनेजा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
15. हिन्दी के प्रतीक नाटक – रमेश गौतम, नचिकेता प्रकाशन, नई दिल्ली
16. अधतन हिन्दी उपन्यास – डॉ. बिन्दु भट्ट, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

17. हिन्दी निबन्ध के सौ वर्ष – सं. मृत्युन्जय उपाध्याय, गिरनार प्रकाशन, मेहसाना

18. हिन्दी गद्य विन्यास और विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद

19. हिन्दी कहानी के सौ वर्ष – सं. वेदप्रकाश अमिताभ, मधुबन प्रकाशन, मथुरा

20. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यास विविध प्रयोग – डॉ. कुसुम शर्मा, श्याम प्रकाशन, जयपुर

21. हिन्दी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ – डॉ. रामदरश मिश्र, मैकमिलन, दिल्ली

22. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य – उषा शर्मा, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली